बोलिंग रणनीति पर बिफरे अकरम

पाकिस्तान के पूर्व कप्तान वसीम अकरम ने अली की कप्तानी पर सवाल उठाते हुए कहा है कि उन्होंने अपने तेज गेंदबाजों का सही तरह इस्तेमाल नहीं किया। पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा कि पाकिस्तान को नए बल्लेबाज क्रिस वोक्स के सामने शॉर्ट पिच बोलिंग करनी चाहिए थी।

हार के बाद निशाने पर निशाने पर पाकिस्तानी कप्तान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पाकिस्तान। इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में हार के बाद पाकिस्तानी कप्तान अजहर अली दिग्गजों के निशाने पर हैं। पाकिस्तान मैच के ज्यादातर हिस्से में मेजबान पर हावी था लेकिन मैनचेस्टर टेस्ट में अहम मौकों पर की गई गलतियों की वजह से वह मैच हार गया। पाकिस्तानी कप्तान अजहर अली की रणनीति सवालों के घेरे में है। कई बड़े खिलाड़ियों ने अली की कप्तानी को लेकर सवाल खड़े किए हैं। उनका कहना है कि अजहर ने अहम मौकों पर चूक की जिसके चलते पाकिस्तान को तश्तरी में सजा मैच गंवाना पड़ा। पाकिस्तान ने इंग्लैंड के खिलाफ पहली पारी के आधार पर 107 रन की बढ़त हासिल की थी। हालांकि दूसरी पारी में टीम के बल्लेबाजों का प्रदर्शन लचर रहा। हालांकि इंग्लैंड को दूसरी पारी में शुरुआती झटके देने के बाद टीम ने बढ़त गंवा दी। छठे विकेट के लिए जोस बटलर और क्रिस वोक्स ने 139 रन जोड़कर इंग्लैंड को जीत दिलाने में अहम भूमिका अदा की। इंग्लैंड ने तीन मैचों की सीरीज में 1–0 से बढ़त हासिल कर ली है। अजहर अली की कप्तानी पर पूर्व कप्तान इंजमाम उल हक ने सवाल उठाए।

बुलंद आवाज में जवाब दिया था भारत बिकाऊ नहीं

इतिहास

जब हिटलर ने किया ध्यान चंद को सैल्यूट

पूर्व हॉकी कोच ने याद दिलाया ध्यान चंद का हिटलर को दिया वह जवाब

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। अगस्त की 15 तारीख भारतीय इतिहास में बहुत मायने रखती है। लेकिन 1947 से 11 साल पहले भारतीय झंडा दुनिया के किसी दूसरे कोने में सबसे ऊंचा लहराया जा रहा था जर्मनी में। साल 1936 के ओलिंपिक में भारतीय हॉकी टीम के खिलाड़ियों के इर्द–गिर्द एक अलग ही रोमांच था। इसकी वजह थी बर्लिन के पैक स्टेडियम में उनका दमदार प्रदर्शन। फ्रांस को सेमीफाइनल में भारतीय हॉकी टीम का जादू का सामना करना पड़ा। खास तौर पर मेजर ध्यानचंद का, जिन्होंने टीम के 10 में से चार गोल किए।

भारतीय टीम ने यूरोपीय पावरहाऊस को बुरी तरह शिकस्त दी। अब फाइनल में भारत का सामना मेजबान जर्मनी से था। तारीख थी 15 अगस्त। भारतीय कैंप में उत्साह का नहीं बल्कि डर और चिंता का माहौल था। इसकी वजह था एडोल्फ हिटलर। वह 40 हजार दर्शकों के साथ ओलिंपिक का फाइनल देखने आने वाला था।

फाइनल मुकाबले के दिन मेजर ध्यानचंद ने एक बार फिर जादुई खेल दिखाया और भारत ने हॉकी में लगातार तीसरा ओलिंपिक गोल्ड जीता। भारतीय हॉकी टीम के पूर्व कोच सैयद अली सिबतैन नकवी ने बताया, श्यह दादा ध्यानचंद थे, जिन्हें हॉकी का जादूगर कहा जाता था। उन्होंने 1936 के ओलिंपिक फाइनल में 6 गोल किए और भारत ने मैच 8–1 से जीता। हिटलर ने दादा को सैल्यू किया और उन्हें जर्मन सेना जॉइन करने का ऑफर दिया। नकवी ने बताया, पुरस्कार वितरण के मौके पर दादा कुछ नहीं बोले और पूरा स्टेडियम भी पूरी तरह शांत था। सभी को इस बात का डर था कि अगर ध्यानचंद ने ऑफर ठुकरा दिया तो तानाशाह उन्हें गोली मार सकता है। दादा ने मुझे बताया था कि उन्होंने हिटलर को जवाब बंद आंखों लेकिन भारतीय सैनिक की एक बुलंद आवाज में जवाब दिया था भारत बिकाऊ नहीं है।

सारा स्टेडियम तब हैरान रह गया जब हिटलर ने हाथ मिलाने के बजाय उन्हें सैल्यूट किया और कहा, जर्मन राष्ट्र आपको अपने देश भारत और राष्ट्रवाद के लिए सैल्यूट करता है। हिटलर ने ही उन्हें हॉकी का जादूगर का टाइटल दिया था। ऐसे खिलाड़ी सदियों में एक बार पैदा होते हैं।

आईपीएल 2021 के लिए मेगा ऑक्शन नहीं करेगा बीसीसीआई

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

आईपीएल 2021 के लिए मेगा ऑक्शन नहीं करेगा बीसीसीआई मुंबई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने फिलहाल इंडियन प्रीमियर लीग 2021 के लिए होने वाले मेगा ऑक्शन को आयोजित नहीं करवाने का फैसला किया है। इस बड़े ऑक्शन में सभी फ्रैंचाइजी अपनी टीम को शुरू से तैयार करते हैं। बोर्ड ने कोविड–19 के चलते फिलहाल इस ऑक्शन को अनिश्चितकाल के लिए टाल दिया है। सूत्रों के मुताबिक इस बात की भी संभावना है कि बोर्ड इस बार कोई नीलामी करवाए ही नहीं। ऐसी सूरत में फ्रैंचाइजी को इन्हीं खिलाड़ियों के साथ अगला सीजन भी खेलना होगा। हां, चोट लगने

ऑक्शन को अनिश्चितकाल के लिए टाल दिया है

या किसी अन्य कारण से किसी खिलाड़ी के अनुपब्ध रहने की सूरत में रिप्लेसमेंट मिल सकती है। आईपीएल का 13वां एडिशन 10 नवंबर को खत्म होगा। इसके बाद आईपीएल को के अगले सीजन के लिए बोर्ड के पास सिर्फ साढ़े चार महीने का वक्त होगा। बोर्ड की कोशिश होगी कि 50 से ज्यादा दिनों तक लीग को चलाया जाए और इसमें 60 के करीब मैच हों ताकि हितधारकों को इस साल जो नुकसान हुआ है उसकी भरपाई की जा सके। फ्रैंचाइजी भी बोर्ड की सोच से सहमत नजर आते हैं। वे भी जानते हैं कि नए सिरे से टीम बनाने के लिए पर्याप्त वक्त और समय की कमी है। इसके अलावा कई अन्य कारण भी होंगे, जैसे–

1)– आईपीएल पर्स को दोबारा से तय करना। यह फिलहाल 85 करोड़ रुपये है।

2)– भारतीय और विदेशी खिलाड़ियों के साथ बातचीत करके एक अच्छी–खासी ऑक्शन लिस्ट तैयार करना– इसमें काफी वक्त लग सकता है।

3)– फ्रैंचाइजी को बिडिंग के लिए तैयार होने का वक्त देना– टीमों को आमतौर पर नीलामी के लिए तैयार होने में चार से छह महीने का वक्त लगता है।

4)– नए खिलाड़ियों को साथ जोड़ने के बाद ब्रैंड ऐक्टिविटी भी काफी टाइम टेकिंग है।

बांग्लादेश के पूर्व स्पिनर मुशर्रफ हुसैन कोरोना वायरस पॉजिटिव

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) ढाका। बांग्लादेश के बाएं हाथ के पूर्व स्पिनर मुशर्रफ हुसैन कोरोना वायरस परीक्षण में पॉजिटिव पाए गए हैं। हुसैन ने पांच एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों में बांग्लादेश का प्रतिनिधित्व किया। हुसैन को पिछले साल ब्रेन ट्यूमर होने का भी पता चला था। रविवार को कोविड–19 परीक्षण का नतीजा आने के बाद हुसैन अपने घर में ही पृथकवास से गुजर रहे हैं। 'द डेली स्टार' ने हुसैन के हवाले से कहा, 'मेरे पिता इससे पहले कोविड–19 पॉजिटिव पाए गए थे और उन्हें सीएमएच अस्पताल में आईसीयू में भर्ती कराया गया था।' उन्होंने कहा, 'बाद में मैंने भी कुछ लक्षणों का अनुभव किया और कोरोना वायरस पॉजिटिव पाया गया। मैं अब तक ठीक हूं और घर में क्वॉरनटीन से गुजर रहा हूं।' हुसैन ने कहा, 'मेरी पत्नी और बच्चे हालांकि नेगेटिव पाए गए हैं।' हुसैन को उम्मीद है कि वह इस बीमारी से उबरने के बाद इस साल घरेलू सर्किट में वापसी करेंगे। पूर्व कप्तान मशरेफ मुर्तजा और दो अन्य बांग्लादेशी क्रिकेटर नजमुल इस्लाम और नफीस इकबाल जून में कोरोना वायरस पॉजिटिव पाए गए थे। पिछले हफ्ते बांग्लादेश फुटबॉल टीम के 18 खिलाड़ी पॉजिटिव पाए गए थे।

न्यूज डायरी

भारतीय हॉकी खिलाड़ी मनदीप सिंह कोरोना वायरस पॉजिटिव

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारतीय हॉकी टीम के फॉरवर्ड मनदीप सिंह कोविड–19 के लिए पॉजिटिव पाए गए हैं। वह इस घातक बीमारी से संक्रमित होने वाले छठे राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी हैं। भारतीय खेल प्राधिरकण ने सोमवार को यह जानकारी दी। जालंधर के 25 साल के मनदीप में इस बीमारी के लक्षण नहीं दिखाई दे रहे हैं और बेंगलुरू में पांच अन्य खिलाड़ियों के साथ डॉक्टर उनका इलाज कर रहे हैं। बेंगलुरु के साइ केंद्र में 20 अगस्त से राष्ट्रीय शिविर शुरू होना है। साइ ने बयान में कहा, 'भारतीय पुरुष हॉकी टीम के सदस्य मनदीप सिंह का बेंगलुरू में साइ के नैशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में राष्ट्रीय शिविर से पहले 20 अन्य खिलाड़ियों के साथ कोविड परीक्षण (आरटी पीसीआर) किया गया और यह पॉजिटिव आया है। लेकिन उसमें लक्षण नहीं दिख रहे हैं।'

राहुल द्रविड़ को गेंदबाजी करना मुश्किल था: शोएब अख्तर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने कहा है कि उनके लिए महान बल्लेबाज राहुल द्रविड़ को गेंदबाजी करना काफी मुश्किल था। अख्तर ने कहा कि द्रविड़ समर्पण और योग्यता के कारण वह आसानी से उन्हें खेल लेते थे। अख्तर ने भारतीय टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज आकाश चोपड़ा के यूट्यूब शो आकाशवाणी पर कहा, 'द्रविड़ काफी मुश्किल और समर्पित बल्लेबाज थे। मेरे लिए यह काफी मुश्किल था। वह मुझे आसानी से खेल लिया करते थे।' अख्तर ने कहा, 'अगर कोई बल्लेबाज द्रविड़ की तरह देर से खेलता था तो हम उसे विकेट के पास से लैंग्थ गेंद डालते थे और बल्ले तथा पैड के बीच में गैप ढूंढते थे। हम गेंद को पैड पर मारने की कोशिश करते थे।' अख्तर ने बताया कि वह बेंगलुरु में वह एक बार द्रविड़ को एलबीडब्ल्यू आउट करने में सफल रहे थे लेकिन अंपायर ने उन्हें आउट नहीं दिया था।

धोनी क्रिकेट की बेस्ट समझ रखने वालों में शामिल: साइमन टफेल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। साइमन टफेल की गिनती दुनिया के सर्वश्रेष्ठ अंपायरों में होती थी। टफेल ने हाल ही में यह कहा कि उनके अंपायरिंग करियर में जितने भी लोगों से मिले उनमें महेंद्र सिंह धोनी, डेरेन लेहमन और शेन वॉर्न सबसे तेज क्रिकेटिंग दिमाग थे। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई अंपायर टफेल ने यह भी कहा कि महेंद्र सिंह धोनी का ह्यूमर और शांतचित स्वभाव बहुत शानदार है। उन्होंने धोनी की इस खूबी की तारीफ की है। साइमन टफेल को सबसे शानदार अंपायर माना जाता था। वह 24 साल के थे जब उन्होंने अंपायरिंग शुरू की और 29 साल की उम्र में वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अंपायरिंग कर रहे थे। गौरव कपूर के साथ एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा, टफेल ने कहा डरेन लेहमन, शेन वॉर्न और महेंद्र सिंह धोनी क्रिकेट के मैदान पर सबसे तेज दिमाग में शामिल थे। टफेल ने कहा, श्मेरी नजर में एमएस धोनी शानदार हैं। मैं जितने लोगों से मिला हूं उनमें महेंद्र सिंह धोनी क्रिकेट की सर्वश्रेष्ठ समझ रखने वालों में शामिल हैं। धोनी बहुत शांत हैं और बहुत रिलैक्स रहते हैं लेकिन उनका सेंस ऑफ ह्यूमर भी शानदार हैं जो ज्यादा लोग नहीं देखते हैं।

बीसीसीआई की नजरें 19 नवंबर से घरेलू सत्र शुरू करने पर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) सैयद मुश्ताक अली ट्रोफी के साथ 19 नवंबर की संभावित तारीख के साथ घरेलू सत्र शुरू करने की योजना बना रहा है लेकिन इंडियन प्रीमियर लीग की विभिन्न टीमों से खेलने वाले भारतीय खिलाड़ी क्वॉरनटीन से जुड़े नियमों के कारण कुछ शुरुआती दौर के मुकाबलों में नहीं खेल पाएंगे। कोरोना वायरस महामारी के कारण घरेलू सत्र में विलंब का मतलब है कि सिर्फ मुश्ताक अली ट्रोफी और रणजी ट्रोफी का आयोजन हो पाएगा जिसमें 38 टीमें दोनों प्रारूपों में मिलाकर 245 मैच खेलेंगी। इस साल विजय हजारे ट्रोफी, दलीप ट्रोफी या चौलेंजर ट्रोफी का आयोजन नहीं होगा और अब तक के कार्यक्रम के अनुसार ईरानी कप को लेकर भी कोई योजना नहीं है।